श्री बंशीधर नगर, शविार
22.08.2026
श्रावण शुक्लपक्ष दशमी संवत 2084
वर्ष : 05, अंक : 03

सूर्योदय-सूर्यास्त

उदय - 05:23 बजे
अस्त - 06:41 बजे

तापमान

अधिकतम : 32 डिग्री से.
न्यूनतम : 26 डिग्री से.

बंशीधर न्यूज

कलम है, तो आवाज़ बुलंद है...

डिजिटल अखबार www.banshidharnews.com
एनएच निर्माण साइट पर फायरिंग, 2 मजदूर घायल >> पेज 03
'स्पिरिट' से जुड़े विवाद में दीपिका पर उठे सवाल >> पेज 05

सुविचार

अवसर के रहने की जगह कठिनाइयों के बीच है। -अल्बर्ट आइंस्टीन

न्यूज अपडेट्स

जेपीएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के लिए 24 से भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के तहत चलाए जानेवाले आंदोलन की रूपरेखा तय कर ली गई है। छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि जेपीएससी-जेएसएससी सहित अन्य भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की मांग को लेकर अब चरणबद्ध तरीके से आंदोलन आगे बढ़ाया जाएगा। इसके तहत आगामी 24 अगस्त 2026 से रामगढ़ के नेमरा गांव से भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा शुरू होगी। यात्रा झारखंड के सभी 24 जिलों के प्रमुख स्थानों तक जाएगी। शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों और छात्र समुदाय के बीच जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को होने वाली न्यायालय की सुनवाई को आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। छात्र नेताओं ने उम्मीद जताई कि सरकार उस दिन अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रखेगी। देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि यदि छात्रों के हित में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। आगे मुख्यमंत्री आवास घेराव, अनिश्चितकालीन झारखंड बंद और आर्थिक नाकेबंदी जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। प्रखंड और गांव स्तर तक लोगों को जोड़ने की भी रणनीति बनाई गई है।

हाइकोर्ट

जेएसएससी-सीजीएल और सीडीपीओ नियुक्ति रद्द करने के आदेश पर हाई कोर्ट की रोक

सरकार को 7 तक जवाब का निर्देश

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहे विवाद के बीच झारखंड उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को जेएसएससी-सीजीएल और सीडीपीओ परीक्षा से जुड़ी नियुक्तियां रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी। नियुक्त कर्मियों को हटाने संबंधी सरकारी अधिसूचना को चुनौती देने वाली चार अलग-अलग याचिकाओं पर न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाअधिवक्ता रोहित राय से कहा कि इस तरह के सभी मामलों में सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा

तय की जाए। अदालत ने राज्य सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 7 सितंबर तक का समय दिया है। वहीं, प्रार्थियों को सरकार के जवाब पर 14 सितंबर तक प्रतिउत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

याचिकाओं में राज्य सरकार की ओर से सीडीपीओ यानी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी परीक्षा का विज्ञापन रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई है। इसके अलावा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और उससे जुड़ी नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के आदेश के खिलाफ भी याचिका दाखिल की गई है।

कुछ प्रार्थियों ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा तथा फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्तियां रद्द करने के सरकारी आदेश को भी चुनौती दी है।

अदालत ने सीडीपीओ तथा जेएसएससी की 11वीं से 13वीं परीक्षा को रद्द करने के संबंध में राज्य सरकार और जेपीएससी से जवाब मांगा है। अदालत के अंतरिम आदेश से इन परीक्षाओं से जुड़ी नियुक्तियों को लेकर तत्काल उत्पन्न संकट फिलहाल टल गया है।

उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिनमें टीडीपीएल की भूमिका सामने आई थी। इसके साथ ही वर्ष 2014 से आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं को देखते हुए जांच कराने की भी घोषणा की गई थी।

इन घोषणाओं के बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से परीक्षा रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और विभिन्न परीक्षाओं को जांच के दायरे में लाने संबंधी अधिसूचना जारी की गई।

सरकारी अधिसूचना के अनुसार, 22 परीक्षाओं को रद्द, छह परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित तथा 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल किया गया है।

भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले के बाद प्रभावित अभ्यर्थियों और नवनियुक्त कर्मियों ने अलग-अलग स्तर पर विरोध शुरू किया और अब कई मामलों में न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय के शुक्रवार के आदेश के बाद जेएसएससी-सीजीएल और सीडीपीओ से जुड़ी नियुक्तियों के मामले में अभ्यर्थियों को फिलहाल राहत मिली है। मामले में अंतिम निर्णय सरकार के जवाब और आगे की सुनवाई के बाद होगा।

पुलिस व अभ्यर्थियों के बीच संघर्ष, धक्का-मुक्की के बीच बेहोश हुए छात्र नेता

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर जारी छात्रों के आंदोलन के दौरान शुक्रवार को रांची में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की के चलते छात्र नेता कुणाल प्रताप सिंह के बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, अस्पताल के बाहर जुटे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं कुणाल सिंह के अस्पताल में भर्ती होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में छात्र सदर अस्पताल पहुंच गए। छात्रों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने अस्पताल के गेट पर ताला लगा दिया। छात्रों के अंदर जाने के प्रयास के बाद पुलिस ने उन्हें परिसर से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान कुछ छात्रों को हिरासत में लिए जाने की भी सूचना है। घटना के बाद सदर अस्पताल और आसपास के इलाकों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। अस्पताल के बाहर छात्रों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के दौरान हुए विवाद के बाद सदर अस्पताल परिसर में फिलहाल माहौल शांत है।

प्रशासन की कार्रवाई बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : नवीन

छात्र नेता कुणाल प्रताप सिंह के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी के बाद उनसे

मिलने के लिए भाजपा के हटिया विधायक नवीन जायसवाल और वरुण साहू सदर अस्पताल पहुंचे।

नवीन जायसवाल ने कहा कि छात्र पिछले 26 दिनों से पूरे संयम के साथ आंदोलन कर रहे थे। सरकार के साथ वार्ता के बाद परीक्षा रद्द करने की जो स्थिति बनी, उसे छात्र पहले से ही सरकार की सोची-समझी साजिश मान रहे थे और दो दिनों के भीतर इसका पदार्फाश भी हो गया। उन्होंने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के खिलाफ मशाल जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज करा रहे थे। इसी दौरान जिस तरह से लाठीचार्ज, मारपीट और प्रशासन की कार्रवाई सामने आई, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। विधायक ने कहा कि झारखंड के युवाओं के धैर्य की परीक्षा सरकार न ले। जब-जब युवा आंदोलित होते हैं, निश्चित तौर पर संघर्ष और बढ़ता है। पूरे आंदोलन के दौरान छात्रों ने जिस तरह संयम बनाए रखा, उसकी पूरे देश में सराहना हुई है। वहीं, झामुमो नेता तालकेश्वर महतो भी उस व्यक्ति का इलाज कराने सदर अस्पताल पहुंचे, जिसके साथ प्रदर्शन के दौरान विवाद हुआ था। मीडिया ने जब उनसे इस मामले को लेकर सवाल किया तो वे सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

जानकारी के अनुसार, छात्र बापू वाटिका से रैली निकालकर अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए शहीद चौक की ओर जा रहे थे। छात्रों के पास मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला था। पुतला दहन को लेकर विवाद के दौरान छात्रों और कुछ लोगों के बीच धक्का-मुक्की हुई। छात्रों ने आरोप लगाया कि एक छात्रा के साथ भी धक्का-मुक्की की गई।

घटना के बाद कुणाल प्रताप सिंह कथित तौर पर कुछ युवकों का पीछा करने लगे। इसी दौरान पुलिस और छात्रों के बीच भी धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। इसके बाद कचहरी चौक के पास कुणाल सिंह के बेहोश होने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्हें ई-रिक्शा से सदर अस्पताल ले जाया गया। उनके साथ रविंद्र और अमित नाम के छात्रों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है।

बिहार-झारखंड का पहला अत्याधुनिक डिस्ड्रोमीटर स्थापित, मौसम अध्ययन को मिलेगी नई दिशा

बारिश की हर बूंद का खुलेगा राज

प्रवीण उपाध्याय

रांची : कभी रांची में झमाझम बारिश होती है, तो कभी कुछ देर की तेज बारिश के बाद मौसम साफ हो जाता है। एक ही शहर में बारिश के अलग-अलग रूप अब मौसम वैज्ञानिकों के लिये अनुभव नहीं, अध्ययन का विषय होंगे। बारिश शुरू होने के बाद मौसम विभाग के पास अब एक ऐसा आंकड़ा भी होगा, जो अब तक रांची में उपलब्ध नहीं रहा। आसमान से गिरने वाली बारिश की हर बूंद का मौसम विभाग राज खोलेगा। बूंद कितनी बड़ी है, किस रफ्तार से जमीन पर पहुंची और बारिश के दौरान बूंदों का स्वरूप कैसे बदलता रहा इन सबकी पूरी भौतिक संरचना को समझना संभव तो होगा ही, सटीक वैज्ञानिक रिकॉर्ड भी दर्ज किया जा सकेगा।

बूंद-बूंद दर्ज होगी बारिश

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), रांची परिसर में बिहार-झारखंड क्षेत्र का पहला अत्याधुनिक डिस्ड्रोमीटर स्थापित किया गया है। यह उपकरण बारिश को सिर्फ मिलीमीटर में दर्ज करने के बजाय उसकी सूक्ष्म संरचना को समझने में मदद करेगा। बारिश शुरू होते ही आम नजर आसमान और सड़क पर टिक जाती है।

झारखंड के मौसम अध्ययन में नया अध्याय

रांची में डिस्ड्रोमीटर की स्थापना से झारखंड को वर्षा के उच्च-रिजॉल्यूशन अवलोकन की नई सुविधा मिली है। इससे तैयार होने वाला डेटा न केवल स्थानीय वर्षा को समझने में मदद करेगा, बल्कि देश के आधुनिक वर्षा अवलोकन नेटवर्क को भी मजबूत करेगा।

मौसम विभाग की नजर अब इससे आगे जायेगी, बादलों से गिरने वाली बूंद-बूंद पर। इससे वैज्ञानिकों को यह भी समझने में मदद मिलेगी कि अलग-अलग मौसम प्रणालियों के दौरान बारिश का स्वरूप कैसे बदलता है और उसकी तीव्रता के पीछे बूंदों की क्या भूमिका रहती है।

मिशन मौसम के बड़े नेटवर्क की एक कड़ी : रांची और झारखंड में मानसून की बारिश का स्वरूप मौसम प्रणाली के साथ बदलता रहता है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली निम्न दबाव प्रणालियां जहां कई बार व्यापक बारिश कराती हैं। वहीं गरज-चमक वाली संवहनीय प्रणालियां कम समय में तेज बारिश दे सकती हैं। इन दोनों तरह की बारिश में बूंदों का आकार, संख्या और गति किस तरह बदलती है, अब इसका भी वैज्ञानिक रिकॉर्ड तैयार होगा। रांची में स्थापित डिस्ड्रोमीटर इन बदलावों को उच्च-रिजॉल्यूशन डेटा के साथ दर्ज करेगा।

रडार के अनुमान को जमीन के आंकड़ों से मिलेगा आधार

आईआईटीएम पुणे की एआरटी परियोजना के तहत स्थापित यह उपकरण देश में विकसित किये जा रहे आधुनिक डिस्ड्रोमीटर नेटवर्क का हिस्सा है। इससे मिलने वाले आंकड़े रडार आधारित वर्षा आकलन को जमीन पर दर्ज वास्तविक वर्षा से मिलाने में मदद करेंगे। साथ ही मौसम पूर्वानुमान मॉडलों की क्षमता का आकलन कर उन्हें और बेहतर करने में भी इन आंकड़ों का इस्तेमाल किया जा सकेगा। लंबे समय तक जुटने वाला डेटा यह समझने में मदद करेगा कि झारखंड में अलग-अलग मौसम प्रणालियों के दौरान बारिश की सूक्ष्म संरचना कैसे बदलती है। इससे बारिश की तीव्रता और प्रकृति के आकलन को अधिक सटीक बनाने की दिशा में मदद मिलेगी। डिस्ड्रोमीटर की स्थापना आईआईटीएम पुणे के वैज्ञानिक डॉ अंबुज कुमार झा और परियोजना वैज्ञानिक रोहित पाटिल ने की। इस दौरान आईएमडी रांची के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ बाबूराज, वरिष्ठ वैज्ञानिक अभिषेक आनंद समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चेंबर ने निबंधन विभाग से की सही दस्तावेज वाले भू-खंडों को प्रतिबंध से मुक्त करने की मांग

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने राज्य में निबंधन कार्य से संबंधित समस्याओं को लेकर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर को पत्र भेजकर कार्रवाई का आग्रह किया है।

इस संबंध में चेंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि कई मौजों को पूर्व में प्रतिबंधित किया गया था, जिनमें से कुछ को प्रतिबंधमुक्त किया गया है, जबकि कुछ अभी भी जांच के दायरे में लॉक हैं। यह मांग की गई कि जिन खातों एवं भू-खंडों के दस्तावेज सही हैं, उनका आवश्यक सत्यापन कर उन्हें प्रतिबंधित सूची से हटाया जाए। किसी एक खाते की जांच के कारण पूरे मौजे को प्रतिबंधित करने से बड़ी संख्या में वैध भूमि लेन-देन प्रभावित होते हैं। इसलिए प्रतिबंध को संबंधित खाते या भू-खंड तक सीमित रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

पत्र में एनजीडीआरएस पोर्टल के लगभग एक सप्ताह से डाउन रहने पर भी चिंता जताई गई। यह कहा गया कि पोर्टल की तकनीकी समस्या के कारण निबंधन कार्य प्रभावित होने से आम नागरिकों, क्रेता-विक्रेताओं और निबंधन कार्य से जुड़े व्यवसायियों को परेशानी हो रही है। इससे राज्य सरकार के राजस्व संग्रह पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विभाग से आग्रह किया गया कि एनजीडीआरएस की तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान करते हुए निबंधन कार्य सुचारु कराया जाय।

न्यूज अडेट्स

झारखंड रेरा का सेमिनार 23 को

रांची। झारखंड रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (झारखंड रेरा) की ओर से रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के प्रभावी क्रियान्वयन और व्यावहारिक पहलुओं को लेकर 23 अगस्त को सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रांची के रेडिसन ब्लू होटल में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। सेमिनार में रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञों की ओर से परियोजना पंजीकरण, प्रमोटर और आवंटियों के अधिकार एवं दायित्व, अनुपालन प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन और शिकायत निवारण व्यवस्था सहित अन्य नियामकीय पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम में एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया जाएगा। इसमें रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागी अपने व्यावहारिक सवाल और जिज्ञासाएं विशेषज्ञों के सामने रख सकेंगे। विशेषज्ञ इन सवालों का समाधान करते हुए अधिनियम के प्रावधानों और उनके व्यावहारिक अनुपालन को लेकर जानकारी देंगे। झारखंड रेरा ने बिल्डरों, प्रमोटरों, भूमि स्वामियों, होमबायर्स, बैंकों, वित्तीय संस्थानों और रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारकों से सेमिनार में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। प्राधिकरण का कहना है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से हितधारकों को रेरा अधिनियम की बेहतर समझ मिलेगी और इसके प्रावधानों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़ेगी।

एसआईआर पात्र नागरिकों का नाम सूची में जोड़ने की अपील

राज्य में विशेष मतदाता शिविर 22-23 को

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत 22 और 23 अगस्त को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर दूसरे और अंतिम विशेष शिविर का आयोजन होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शुक्रवार को शिविर को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

के. रवि कुमार ने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिन नागरिकों की उम्र 1 अक्टूबर 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष पूरी हो चुकी है या हो जाएगी और जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 और निर्धारित घोषणापत्र भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करें। उन्होंने राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट और कार्यकर्ताओं के माध्यम से ऐसे पात्र नागरिकों को चिन्हित कर आवेदन जमा कराने में सहयोग करने की अपील की। शहरी क्षेत्रों में भी एसआइआर को लेकर प्रचार-प्रसार करने और वार्ड सदस्यों और पूर्व वार्ड सदस्यों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने को कहा गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि एसआइआर के दौरान 'एक परिवार-एक मतदान केंद्र' की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाना है। यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं या मतदान केंद्र निवास स्थान से दूर है, तो फॉर्म-8 के माध्यम से नाम को नजदीकी मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झारखंड के सामान्य निवासी ऐसे लोग, जिनका नाम किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में दर्ज है, वे भी फॉर्म-8 और निर्धारित घोषणापत्र के माध्यम से अपना नाम झारखंड के संबंधित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में स्थानांतरित करा सकते हैं। 22 और 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। पात्र नागरिक संबंधित प्रपत्र बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए ईसीआइएनईटी ऐप और भारत निर्वाचन आयोग के वोटर सर्विस पोर्टल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। के. रवि कुमार ने कहा कि एसआइआर का उद्देश्य शुद्ध और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और किसी विदेशी नागरिक का नाम शामिल न हो, इसके लिए सभी राजनीतिक दलों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। किसी विदेशी नागरिक द्वारा गलत घोषणापत्र के जरिए नाम शामिल कराने के प्रयास पर फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के चुनाव में 70 प्रतिशत वोटिंग

रांची। झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन, रांची के वर्ष 2026-2028 के चुनाव में करीब 70 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट किया। चुनाव में 2017 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान को लेकर शुक्रवार को हाईकोर्ट परिसर में दिनभर गहमागहमी रही। मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में काफी उत्साह दिखा। मतदान समाप्त होने के बाद वोट पड़े। मतदान को लेकर सुबह 9.30 बजे से ही मतदाताओं की भीड़ लगने लगी थी। कई उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि वोटरों को अपने सीरियल नंबर दे रहे थे और उनसे वोट मांग रहे थे। दोपहर 12 के बाद मतपत्र वितरण के लिए लगे टेबलों पर वोटरों की लाइन लगी थी। वहीं लगभग दो बजे तक 42 प्रतिशत तक मतदान हो चुका था। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के चुनाव में 2889 मतदाता है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सहायक कोषाध्यक्ष, सचिव प्रशासन, सचिव पुस्तकालय के एक-एक पद और गवर्निंग काउंसिल 09 पद के लिए चुनाव हो रहा है।

छात्रों पर झामुमो कार्यकताओं के हमले को बाबूलाल ने बताया शर्मनाक

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लोकतांत्रिक तरीके से न्याय की मांग कर रहे छात्रों के साथ हुई मारपीट को दमनात्मक कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि रांची, गिरिडीह, हजारीबाग में शांतिपूर्ण अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पुतला दहन करने जा रहे छात्रों पर पुलिस की मौजूदगी में झामुमो के कार्यकताओं की ओर से अचानक हमला करना बेहद शर्मनाक है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के हत्या का प्रयास है। मरांडी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि छात्र आंदोलन को पहले धोखा और साजिश के माध्यम से खत्म कराया गया और अब हेमंत सरकार गुंडागर्दी पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र आंदोलन को साजिश के तहत रद्द करने और न्यायालय में अपने ही फैसले का बचाव नहीं करने के विरोध में राहुल गांधी और हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे, लेकिन इसी क्रम में हजारीबाग के गांधी मैदान और गिरिडीह में छात्रों पर झामुमो के कार्यकताओं की ओर से मास्क पहनकर लाठीचार्ज किया गया। रांची में भी छात्रों पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी, आप कितने कुंठित, संकुचित और बदले की भावना में किस स्तर तक उतर सकते हैं, यह आपके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन अब आपकी फितरत पूरा देश जान चुका है। जब छात्र संगठित थे, तब मुख्यमंत्री की हिम्मत उनके सामने आने की नहीं थी। लेकिन अब प्री-प्लानिंग के साथ गिरिडीह और अन्य जगहों पर झारखंड के छात्रों को झामुमो के गुंडे पीट रहे हैं। राहुल गांधी और हेमंत सोरेन की इस नीचता का छात्र करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार से मिले छल के बाद छात्रों का गुस्सा लाजिमी है लेकिन फिर भी वे शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार नहीं चाहती कि राज्य में अमन चैन हो। सरकार चाहती है कि यहां अराजकता का माहौल बने, मारपीट हो, संघर्ष हो। यह सरकार जिस रास्ते पर चल पड़ी है वह राज्य के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है और झामुमो की सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। उन्होंने हेमंत सोरेन को सचेत करते हुए कहा कि अगर इसके प्रतिकार में गांव गांव से नौजवान निकलेंगे तो झामुमो कार्यकर्ता कहीं नजर नहीं आयेंगे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से झामुमो कार्यकताओं को चिन्हित कर अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है।

जेपीएससी विवाद में भाजपा और कोचिंग माफिया उठा रहे राजनीतिक लाभ : झामुमो

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक हेमलाल मुर्मू ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और कथित कोचिंग माफिया पर छात्र आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए जेपीएससी और सीजीएल सहित कई परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय लिया था। इसके बाद कुछ छात्रों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर अदालत ने सरकार के फैसले पर रोक लगाते हुए 15 दिनों के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुर्मू ने कहा कि मामला अब न्यायिक प्रक्रिया में है, इसलिए सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। मौके पर झामुमो विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि भाजपा और कथित कोचिंग माफिया पर छात्रों को आगे कर राजनीतिक लाभ लेने में लगे हैं। उन्होंने पुतला दहन जैसे कार्यक्रमों को भी राजनीतिक हस्तक्षेप से जोड़कर देखा। अनंत देव ने पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही पर भी निशाना साधा। उन्होंने कथित दवा घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच का हवाला देते हुए उन पर राजनीतिक संरक्षण लेने का आरोप लगाया। सीबीआई जांच की मांग पर झामुमो ने पूछा कि पहले और दूसरे जेपीएससी मामले की जांच का अब तक क्या परिणाम आया। उन्होंने सीआईडी जांच को प्रभावी बताते हुए कई आरोपितों की गिरफ्तारी का दावा किया। उन्होंने छात्रों से राजनीतिक दलों के बहकावे में नहीं आने और न्यायिक प्रक्रिया का इंतजार करने की अपील की।

रांची में आवारा श्वानों के लिए बड़गाई में 2.10 करोड़ से बनेगा जन्म नियंत्रण केंद्र

रेबीज के रोकथाम की दिशा में मिलेगी मजबूती

रांची। राजधानी रांची शहर में आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या के वैज्ञानिक और मानवीय प्रबंधन के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा और पशु कल्याण को बेहतर बनाने की दिशा में रांची नगर निगम की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने निगम की टीम के साथ बड़गाई में प्रस्तावित पशु आश्रय-सह-जन्म नियंत्रण केंद्र के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। नगर विकास एवं आवास विभागकी ओर से शहरी क्षेत्रों में एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवश्यक आधारभूत संरचना के विकास के लिए रांची नगर निगम को 2.10 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। इसी कड़ी में मौजा बड़गई, खाता संख्या-140, प्लॉट संख्या-767 में कुल 01 एकड़ 90 डिसमिल भूमि में से 20.2 डिसमिल भूमि पर पशु आश्रय-सह-जन्म नियंत्रण केंद्र विकसित किया जाएगा। केंद्र के माध्यम से आवारा श्वानों की नसबंदी, टीकाकरण और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकेगा। इससे एक ओर श्वानों की आबादी को मानवीय तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। वहीं दूसरी ओर रेबीज जैसी बीमारियों की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को केंद्र निर्माण से जुड़े टेंडर सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

शेष भूमि पर बनेगा डॉग शेल्टर होम

नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान 01 एकड़ 90 डिसमिल भूमि के शेष हिस्से में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप डॉग शेल्टर होम विकसित करने के लिए प्रस्ताव एवं डिजाइन तैयार करने का भी निर्देश दिया। शेल्टर होम में आक्रामक श्वानों, आवारा स्ट्रीट डॉग्स और रेबीज प्रभावित श्वानों के लिए आवश्यकतानुसार अलग-अलग व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही गार्ड रूम, बाउंड्री वॉल, आवागमन मार्ग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को शामिल करते हुए समुचित डिजाइन तैयार किया जाएगा।

डीसी ने किया निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण

इंडोर स्टेडियम को मिलेगा आधुनिक और आकर्षक स्वरूप : डीसी

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर: डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शुक्रवार को मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड-23 स्थित निमार्णाधीन इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने निमार्णाधीन स्विमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट और जिम एरिया का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अभियंताओं से निर्माण की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि स्टेडियम को केवल खेल गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि खिलाड़ियों और आम लोगों के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक परिसर के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने परिसर में रिलैक्सिंग चेयर, ओपन कैफेटेरिया और पर्याप्त संख्या में पेड़-पौधे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही खुले स्थानों में योजनाबद्ध पौधरोपण कर हरित क्षेत्र विकसित करने तथा बैठने एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्माण कार्य की नियमित गुणवत्ता जांच और सभी कार्यों को समयबद्ध पूरा करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि इंडोर स्टेडियम के पूर्ण होने से जिले के खिलाड़ियों, युवाओं और खेलप्रेमियों को आधुनिक खेल सुविधाएं मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त रंजीत लाल, सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता, संबंधित अभियंता एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

न्यूज अपडेट्स

नशीले मादक पदार्थ की तस्करी मामले में तीन गिरफ्तार

रांची। रांची के रातु थाना पुलिस ने नशीले मादक पदार्थ की तस्करी मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम वहाजुल अंसारी, शहनवाज अंसारी और नईम अंसारी शामिल हैं। इनके पास से 570 पीस सिरप और तीन मोबाईल फोन बरामद किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ था कि रातु थाना क्षेत्र के रिंग रोड हाजी चौक के पास कुछ तस्करों के जरिये नशीले मादक पदार्थ (प्रतिबंधित कफ सिरफ) की ऊंचे दामों में अवैध रूप से खरीद-बिक्री की जा रही है। इस तरह के नशीले पदार्थ के सेवन से युवाओं पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अजय आर्यन पुलिस उपाधीक्षक (मु०) अजय आर्यन के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया । छापेमारी टीम की ओर से त्वरीत कार्रवाई करते हुए रातु थानान्तर्गत फुटकल टोली, बोस नगर स्थित केयरिंग हैण्ड्स हॉस्पिटल के पास स्थित सुनसान जगह पर छापेमारी कर तीन संदिग्ध व्यक्ति जो पांच कार्टुन में 100 एमएल का कुल 570 पीस (विंग्स ओनरेक्स कोडाइन कफ सिरप) की बोतल डिलिवरी देने के लिए रूके हुए थे। सभी आरोपितों को घेर कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि वे रांची के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में नशीले मादक पदार्थ प्रतिबंधित कफ सिरफ की ऊंचे दामों में अवैध रूप से बेचने का काम करते हैं।

सतबरवा राहुल दुबे गिरोह का पर्चा बरामद, घटनास्थल से चार खोखा मिले

एनएच निर्माण साइट पर फायरिंग, 2 मजदूर घायल

एसपी ने संभाली जांच की कमान

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : सतबरवा थाना क्षेत्र के रजडेरवा में नेशनल हाईवे-39 के फोरलेन निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के अस्थायी कैंप पर गुरुवार की देर रात अपराधियों ने फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निवासी दो मजदूर अजय हांसदा और संजय हांसदा गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पलामू एसपी कपिल चौधरी ने घटनास्थल का जायजा लिया और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मौके से चार खोखा तथा राहुल दूबे गिरोह से जुड़ा पर्चा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, देर रात करीब दो बजे बाइक सवार दो अपराधी निर्माण स्थल पर पहुंचे और मजदूरों के कैंप को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर फरार हो गए। गोली अजय हांसदा के पैर और संजय हांसदा के पेट में लगी है। फिलहाल दोनों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। एसपी कपिल चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बाद निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस सक्रिय हो गई है।

विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं ने एमएमडीआर एक्ट के विरोध में पीएम का पुतला फूंका

श्री बंशीधर नगर : विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं ने केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित कराये गये खनिज खान एवं खनिज विकास विनियमन संशोधन अधिनियम 2026 के विरोध में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार की शाम में यहां भवनाथपुर मोड़ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। पुतला दहन में शामिल कार्यकर्ता काला कानून वापस लो, जल जंगल, जमीन बचाओ, खनिज खनन संशोधन बिल वापस लो, कारपोरेट का दलाल-मोदी सरकार आदि नारे लगाये। उस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि यह विधेयक झारखंड के अस्तित्व पर सीधा हमला है। केंद्र की भाजपा सरकार पूंजीपतियों के दबाव में आकर आदिवासी मूलवासी के संवैधानिक अधिकारों को बेचना चाहती है। यह कानून खनिजों के राष्ट्रीयकरण के सिद्धांत को समाप्त कर देगा.सारी खदानें कारपोरेट घरानों को सौप देगी। साथ ही यह सरना धर्म, संस्कृति और स्वशासन पर हमला है। वक्ताओं ने राष्ट्रपति महोदया से इस विधेयक को मंजूरी नहीं देने का अनुरोध करते हुये कहा कि आने वाले दिनों में इस संशोधन विधेयक के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जायेगा। केंद्र सरकार की मनमानी नहीं चलने दी जायेगी। सभा को भाकपा माले के जिला कमेटी सदस्य कामेश्वर विश्वकर्मा, राजद के प्रदेश महासचिव अभय कुमार पांडेय, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद सदस्य विनोद ठाकुर तथा कांग्रेस के ओमप्रकाश चौबे आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में श्री राम, विद्या पासवान, देवीदयाल मेहता, गोपाल यादव, खलील खां, राजकुमार राम, इस्लामुद्दीन अंसारी, नसीर अंसारी, चंद्रदेव यादव, सुदामा पांडेय, राजू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केतार बाजार में मिट्टी के मकान की दीवार ढही, मलबे से निकले प्राचीन चांदी के सिक्के

बंशीधर न्यूज

केतार : केतार बाजार में भारी बारिश के कारण एक पुराने मिट्टी के मकान की दीवार ढहने के बाद अचानक चांदी के प्राचीन सिक्के मिलने से इलाके में चर्चा का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण पुराने मकान की मिट्टी की दीवार अचानक ढह गई। मलबा हटाने के दौरान दीवार के अंदर छिपाकर रखा गया मिट्टी का एक घड़ा (गगरा) नीचे गिरकर टूट गया। घड़ा टूटते ही उसमें रखे चांदी के पुराने सिक्के चारों ओर बिखर गये। बताया जा रहा है कि सिक्के बिखरने की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद कुछ लोग उन्हें उठाकर अपने साथ ले गये। इसी बीच मकान मालिक भी मौके पर पहुंचे और जमीन पर बिखरे चांदी के सिक्कों को बटोरकर अपने साथ घर ले गये। घटना के बाद केतार बाजार में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों के बीच सिक्कों के प्राचीन होने और उनकी वास्तविक संख्या व कीमत को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। हालांकि इन चांदी के सिक्कों की सही संख्या, प्राचीनता और ऐतिहासिक महत्व की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। यदि सिक्के वास्तव में पुरातात्विक महत्व के हैं, तो उनके संबंध में प्रशासन अथवा पुरातत्व विभाग की जांच महत्वपूर्ण हो सकती है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर सिक्कों की वास्तविकता और घटना से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने की मांग की है।

नगर ऊंटारी थाना के चौकीदार दया पासवान का निधन, शोक

नगर ऊंटारी थाना के चौकीदार दया पासवान का निधन

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : नगर ऊंटारी थाना के चौकीदार दया पासवान 53 वर्ष का निधन बीती रात इलाज के क्रम में रांची में हो गया। वे पिछले कई माह से बीमार चल रहे थे। वे चेचरिया, नगर बाजार, रक्सा, टिकर एवं विशुनपुर के चौकीदार थे। छह माह पूर्व उन्हें हर्ट में परेशानी होने पर वाराणसी में उनके हर्ट का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति सामान्य थी, किंतु

कुछ माह पूर्व उन्हें कैंसर होने की शिकायत हुई थी।

इनका इलाज वाराणसी एवं पटना से चल रहा था। फिलहाल उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिये पटना में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें चिकित्सकों ने उनकी स्थित नाजुक बताते हुये परिजनों को वापस घर ले जाने की सलाह दी थी। किंतु परिजनों के द्वारा घर न लाकर उन्हें रांची के एक हॉस्पिटल में ले गये। जहां बीती रात उनका निधन हो गया। शुक्रवार की सुबह उनका शव घर लाया गया। शव घर पहुंचते ही परिजनों की चीख पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। बड़ी संख्यां में शव देखने पहुंचे लोगों ने घटना पर दुख जताया तथा परिजनों को सांत्वना दी। उधर घटना की जानकारी मिलने पर एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद, थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत चौकीदार के घर पहुंचकर घटना पर दुख जताया तथा परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही मृतक के अंतिम संस्कार के लिये आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया।

काफी मिलनसार व कर्मठ थे दया पासवान

नगर ऊंटारी थाना के चौकीदार दया पासवान काफी मिलनसार, दिलेर, बहादुर एवं काम के प्रति काफी वफादार थे। होमगार्ड से शुरू की नौकरी 2010 में वे चौकीदार बने थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नगर ऊंटारी थाना में पदस्थापित कई थाना प्रभारियों को बड़ी सफलता दिलाते हुये थाना प्रभारी एवं थाना का नाम बढ़ाया था। अपने कुशल कार्य के बदौलत उन्होंने वर्ष 2008 में नगर ऊंटारी थाना में पदस्थापित तत्कालीन थाना प्रभारी हरि प्रसाद साहू को स्पेशियो से भाग रहे अपराधियों को गिरफ्तार करवाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने जर्जर कमांडर जिप के सहारे नये स्पेशियों का जर्जर सड़क में पीछा कर अपराधियों को गिरफ्तार करवाया था। इसके पूर्व उन्होंने कई थाना प्रभारियों को भी महत्वपूर्ण एवं सटीक सूचना के सहारे कई बड़ी सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब दया पासवान नहीं रहे लेकिन उनके किये गये कार्यों की चर्चा लोगों के दिलों दिमाग में आज भी ताजा है।

मतदाता सूची के अंतिम पुनरीक्षण को लेकर 22-23 अगस्त को विशेष शिविर

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मतदाता सूची को सटीक और अद्यतन बनाने के लिये जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 22 और 23 अगस्त को द्वितीय एवं अंतिम विशेष शिविर आयोजित होगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। जिला प्रशासन ने पात्र नागरिकों से शिविर का लाभ उठाकर मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। शिविर में पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिये फॉर्म-6 तथा परिवार के सदस्यों के नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिये फॉर्म-8 जमा कर सकेंगे। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पात्र भारतीय नागरिक अथवा एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नागरिक, जो झारखंड के किसी मतदान क्षेत्र के सामान्य निवासी हैं, फॉर्म-6 और आवश्यक घोषणा पत्र के माध्यम से नाम दर्ज कराने के लिये आवेदन कर सकते हैं। वहीं एक ही स्थान पर रहने वाले परिवार के सदस्यों के नाम यदि अलग-अलग मतदान केंद्रों की मतदाता सूची में दर्ज हैं, तो उन्हें एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिये फॉर्म-8 भरा जा सकता है। नागरिकों को आवेदन के लिये शिविर तक ही सीमित रहने की जरूरत नहीं है। फॉर्म-6 और फॉर्म-8 ऑनलाईन भी जमा किये जा सकते हैं। इसके लिये ईसीआईएनईटी एप अथवा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters-eci-gov-in का उपयोग किया जा सकता है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीसी पशुपति नाथ मिश्रा ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से 22 और 23 अगस्त को अपने संबंधित मतदान केंद्र पहुंचकर बीएलओ के माध्यम से आवश्यक प्रपत्र जमा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विशेष शिविर का लाभ उठाकर मतदाता सूची में नाम और विवरण को सही एवं अद्यतन कराएं।

न्यूज अपडेट्स

बीडीओ-सीओ ने जलजमाव और पेयजल समस्या का मौके पर कराया समाधान

बरडीहा : बीडीओ सह सीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बभनी गांव का पैदल भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर जनसमस्याओं की जानकारी ली और कई मामलों के त्वरित समाधान के लिये संबंधित लोगों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान रास्ते में मिले कक्षा आठवीं और दसवीं के विद्यार्थियों से बीडीओ-सीओ ने बातचीत की। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और बेहतर पढ़ाई के लिये जरूरी तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिये प्रेरित किया। बभनी गांव के एक टोले में ग्रामीणों ने धान के खेतों में जलजमाव की समस्या बताई। निरीक्षण के दौरान खेत के किनारे बने ऊंचे बांध के कारण पानी जमा होने की बात सामने आई। बीडीओ ने संबंधित व्यक्ति को तत्काल ह्यूम पाईप लगाने अथवा बांध काटकर पानी की निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं आवागमन को लेकर उत्पन्न विवाद के समाधान के लिये दोनों पक्षों की सहमति से रास्ता निर्माण कराने तथा मुखिया को ग्रामसभा के माध्यम से मिट्टी-मोरम पथ योजना स्वीकृत कराने का निर्देश दिया। इसी दौरान पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले रजवार समेत अन्य वंचित परिवारों ने पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। जांच में जलमीनार से सिंचाई के लिये अनाधिकृत रूप से पाईप जोड़ने की जानकारी मिली। बीडीओ ने संबंधित व्यक्ति को कनेक्शन तत्काल हटाने और नल में लॉक लगाने का निर्देश दिया। दोपहर दो बजे के बाद नल लॉक रखने की व्यवस्था की गई, ताकि टंकी में पर्याप्त पानी जमा हो सके और पहाड़ी क्षेत्र के परिवारों को सुबह-शाम नियमित पेयजल मिल सके। बीडीओ ने कहा कि प्रशासन अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है।

गढ़वा ▶ जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़

डीसी ने त्वरित कार्रवाई का दिया निर्देश

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : समाहरणालय के सभागार में डीसी पशुपति नाथ मिश्रा ने जनसुनवाई आयोजित कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, सरकारी योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार और बकाया मजदूरी भुगतान समेत अन्य मामलों को लेकर लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। डीसी ने एक-एक कर सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। सदर प्रखंड के अन्नराज नावाडीह निवासी सविता देवी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि परिवार के नौ सदस्यों के साथ क्षतिग्रस्त कच्चे मकान में रहने को विवश हैं। कई बार प्रखंड कार्यालय और जनप्रतिनिधियों से संपर्क करने के बावजूद आवास की स्वीकृति नहीं मिली है। खरौंधी प्रखंड के सिसरी निवासी फेकनी देवी ने भी सरकारी आवास की मांग की। उन्होंने बताया कि वह गरीब, बेरोजगार और बेसहारा महिला हैं तथा किसी तरह बच्चों का भरण-पोषण कर रही हैं। धुरकी के रक्सी निवासी सबरा बानो ने आंगनबाड़ी सेविका चयन में दिव्यांग आरक्षण का लाभ देने की मांग की। उन्होंने बताया कि वह 70 प्रतिशत दिव्यांग हैं। वहीं मेराल के गोंदा निवासी कमलेश कुमार ने चामा गैस एजेंसी पर उनकी पत्नी आशा देवी के नाम गैस कनेक्शन के मामले में 10 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाते हुये कार्रवाई की मांग की। भंडरिया की सावित्री देवी ने एकलव्य विद्यालय में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के चयन में स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिकता देने संबंधी ग्रामसभा के प्रस्ताव पर कार्रवाई की जानकारी मांगी। डीसी ने संबंधित विभागों के कार्यालय प्रधानों को शिकायतों का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निष्पादन करने का निर्देश दिया।

न बिजली, न बेड, न स्वास्थ्यकर्मी, बदहाली में चल रहा आयुष्मान सतबहिनी आरोग्य मंदिर

विश्रामपुर (वेणुगोपाल) : आयुष्मान आरोग्य मंदिर सतबहिनी में बुनियादी सुविधाओं का अभाव मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिये परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 2024 से अब तक केंद्र में कई जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था नहीं हो सकी है। केंद्र में बिजली की व्यवस्था नहीं है। इसके लिये ट्रांसफार्मर और बिजली मीटर की जरूरत बताई गई है। वहीं शौचालय का गेट नहीं होने के कारण परेशानी होती है। भवन की छत से पानी का रिसाव हो रहा है। वहीं मुख्य गेट भी टूटा हुआ है। केंद्र में बिजली गुल होने की स्थिति से निपटने के लिये बैटरी-इन्वर्टर पावर बैकअप की भी व्यवस्था नहीं है। मरीजों के बैठने के लिये पर्याप्त कुर्सियां और बेड भी उपलब्ध नहीं हैं। गर्मी से राहत के लिये पांच पंखों की आवश्यकता बताई गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम और एमपीडब्ल्यू की भी जरूरत है। मेन रोड से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिये पीसीसी सड़क निर्माण की मांग भी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बिजली, भवन की मरम्मत, आवश्यक फर्नीचर, पंखे तथा स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

डीआईजी व एसपी ने रखी आधारशिला

मेडिकल कॉलेज के पास बनेंगे चार नए थाना भवन

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेडिकल कॉलेज के समीप शुक्रवार को पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत यहां साइबर थाना, महिला थाना, अहातू थाना तथा एससी-एसटी थाना के प्रस्तावित भवनों की आधारशिला रखी गई। उस मौके पर डीआईजी किशोर कौशल और एसपी कपिल चौधरी ने संयुक्त रूप से विधिवत शिलान्यास किया। चारों थाना भवनों के निर्माण से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के साथ-साथ आम लोगों को पुलिस सेवाएं अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए साइबर थाना की स्थापना को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं महिला थाना तथा एससी-एसटी थाना के माध्यम से संबंधित मामलों में पीड़ितों को बेहतर पुलिस सहायता और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने थाना भवनों के निर्माण से जुड़ी तैयारियों और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग के लिए बेहतर आधारभूत संरचना जरूरी है और नए भवनों के निर्माण से पुलिस के कामकाज में और अधिक सुविधा होगी। मौके पर एसडीपीओ, सार्जेंट मेजर सुरेश राम, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। नए थाना भवनों की आधारशिला रखे जाने से पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलने के साथ आम जनता को बेहतर और त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है

बाल सांसदों की मांगों पर मुखिया अनुज त्रिपाठी ने दिया भरोसा, कहा हरसंभव होगा समाधान

मेदिनीनगर: रजवाडीह मध्य विद्यालय में बाल संसद की बैठक आयोजित की गई। इसमें रजवाडीह पंचायत के मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी, उपमुखिया प्रभात रंजन पाण्डेय एवं वार्ड सदस्य अनीता देवी शामिल हुए। बाल सांसदों ने विद्यालय की समस्याओं और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए जलजमाव के निराकरण, विद्यालय की छत की मरम्मत सहित कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए। बाल सांसदों ने पारित प्रस्तावों को मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी को सौंपते हुए विद्यालय की समस्याओं के समाधान की मांग की। मुखिया ने बच्चों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बाल संसद के माध्यम से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होने पर प्रसन्नता जताई। विद्यालय की प्रभारी शिक्षिका निशा ने बैठक का संयोजन किया और मुखिया समेत सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के विद्यालय पहुंचने पर आभार व्यक्त किया। बैठक में शिक्षिका पूनम रानी एवं लैब इंस्ट्रक्टर अनूप कुमार मिश्रा भी मौजूद थे। वहीं, जेसीईआरटी रांची में आयोजित महत्वपूर्ण कार्यशाला में शामिल प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने बाल संसद के सफल एवं सार्थक आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

प्रेमी की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश नाकाम, 3 गिरफ्तार

गढ़वा : बरडीहा थाना क्षेत्र के बभनी गांव में प्रेम प्रसंग को लेकर युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुये 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिये शव को महुआ के पेड़ से लटका दिया था। बुधवार सुबह बभनी गांव में एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटके होने की सूचना पुलिस को मिली। मृतक की पहचान टप्पू रजवार के रूप में हुई। सूचना पर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल गढ़वा भेजा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये एसपी के निर्देश पर डीएसपी दिल्लु लोहरा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। शुक्रवार को प्रेसवार्ता में डीएसपी ने बताया कि अनुसंधान और छापेमारी के दौरान सुनिल रजवार (32), उसके पिता रामप्यारी रजवार (60) और मनमतिया देवी (50) सभी बभनी निवासी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार टप्पू का सुनील की भतीजी से करीब दो वर्षों से प्रेम प्रसंग था। मंगलवार रात नशे की हालत में टप्पू उनके घर के पास शादी की बात कह रहा था। इसी दौरान विवाद हुआ और आरोपियों ने घर के पीछे ले जाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने सुनील की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त रस्सी, मृतक का मोबाईल और गमछा बरामद किया है। डॉग स्क्वायड की जांच में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिला था। छापामारी दल में डीएसपी दिल्लु लोहरा, पुलिस निरीक्षक बृज कुमार, थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह, एसआई अनिल कुमार, एएसआई आनंद मिंज सहित पुलिस बल शामिल था।

जनता दरबार में भूमि विवाद और पेंशन की शिकायतों का हुआ त्वरित समाधान

बरडीहा : प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ प्रवीण कुमार सिंह ने की। जनता दरबार में प्रखंड के विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने भूमि एवं रास्ता विवाद, पेंशन भुगतान और मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। जनता दरबार में सबसे अधिक मामले जमीन विवाद और बंद रास्तों से संबंधित पहुंचे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। बीडीओ सह सीओ ने मामलों को गंभीरता से सुनते हुये संबंधित राजस्व कर्मियों को स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भूमि एवं रास्ते से जुड़े मामलों के निष्पादन में सभी पक्षों की स्थिति की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। वहीं पेंशन भुगतान बाधित होने से संबंधित दो मामले भी सामने आये। अधिकारियों ने ऑनलाईन पोर्टल पर ऑन-द-स्पॉट सत्यापन कर तकनीकी त्रुटि की जांच की। आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर दोनों मामलों का समाधान कराया गया। इससे संबंधित लाभुकों को राहत मिली। मंईयां सम्मान योजना से जुड़े आवेदन और समस्याएं लेकर भी ग्रामीण जनता दरबार में पहुंची। अधिकारियों ने लाभुकों की शिकायतों की जांच करते हुये आवश्यक कार्रवाई की और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। बीडीओ ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का पारदर्शी और त्वरित समाधान करना है, ताकि लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिये सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने संबंधित कर्मियों को जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

'स्पिरिट' से जुड़े विवाद में दीपिका पादुकोण पर उठे सवाल

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने का विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। निर्देशक के भाई और फिल्म से जुड़े निमार्ता प्रणय रेड्डी वांगा ने इस मामले में नए दावे किए हैं। जहां अब तक दीपिका के फिल्म से अलग होने की वजह 8 घंटे की शूटिंग शिफ्ट की शर्त को माना जा रहा था, वहीं प्रणय के मुताबिक असली मतभेद फीस और फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी को लेकर हुआ था। उन्होंने दावा किया कि संदीप करीब 18 महीनों से दीपिका के साथ फिल्म को लेकर बातचीत कर रहे थे और उन्हें इस परियोजना का हिस्सा बनाने के लिए काफी उत्सुक थे। दिए एक हालिया इंटरव्यू में प्रणय ने दावा किया कि दीपिका ने फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग की थी। उनके मुताबिक, इसके बाद बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी और टीम ने दूसरे विकल्प तलाशने शुरू कर दिए। प्रणय ने यह भी आरोप लगाया कि विकल्पों पर विचार शुरू होने के बाद फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी कुछ जानकारियां लीक की गईं। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी और किरदार को लेकर अभिनेत्री के साथ हुई बातचीत निजी और गोपनीय थी और इस तरह की जानकारी के सार्वजनिक होने से टीम काफी परेशान हुई। प्रणय ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाद केवल 5-6 करोड़ रुपये अतिरिक्त फीस की मांग का मामला नहीं था। इससे पहले दीपिका के 8 घंटे की कार्य अवधि की कथित शर्त को लेकर भी काफी चर्चा हुई थी। संदीप रेड्डी वांगा ने भी सोशल मीडिया पर बिना किसी का नाम लिए कलाकारों और फिल्म की गोपनीय जानकारी सार्वजनिक किए जाने पर नाराजगी जताई थी। विवाद के बीच दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद निमार्ताओं ने तृप्ति डिमरी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुना। हालांकि, दीपिका की ओर से इन नए आरोपों पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पारिवारिक अनबन की अफवाहों पर हेमा मालिनी ने तोड़ी चुप्पी

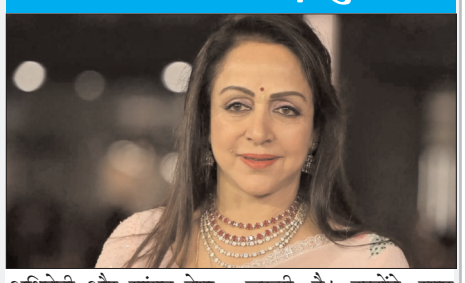

अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के पहले परिवार, जिसमें अभिनेता सनी देओल और बॉबी देओल शामिल हैं, परिवार में चल रही मनमुटाव की अफवाहों को खारिज कर दिया है। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उनका परिवार पूरी तरह एकजुट है और सभी सदस्य एक-दूसरे के साथ खुश हैं। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया और इंटरनेट पर फैलने वाली हर बात पर भरोसा न करने की अपील भी की। हेमा मालिनी ने कहा कि आज के दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से कई तरह की भ्रामक जानकारियां और अफवाहें फैलाई जाती हैं। ऐसे में किसी भी खबर पर विश्वास करने से पहले उसकी सच्चाई जांचना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिवार के भीतर किसी तरह का तनाव नहीं है और सभी रिश्ते सौहार्दपूर्ण हैं। बातचीत के दौरान हेमा ने अपने पति धर्मेंद्र के समर्थन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र ने हमेशा उनके नृत्य और कला के प्रति जुनून को प्रोत्साहित किया। हेमा के अनुसार, आज वह जो कुछ भी कर पा रही हैं, उसमें धर्मेंद्र के सहयोग और विश्वास की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने उन्हें अपना सबसे बड़ा समर्थक और जीवनसाथी बताया। हालांकि, हाल के दिनों में दोनों परिवारों के संबंधों को लेकर कई तरह की चचाएं सामने आती रही हैं, लेकिन हेमा मालिनी के इस बयान ने इन अटकलों पर विराम लगाने का काम किया है।

बलोचिस्तान में पाक सेना के ड्रोन हमले में चार मजदूरों की मौत, सरनान शहर पर विद्रोहियों का नियंत्रण

दीपक देव ने सिरियाटोंगर में दलदल सड़क की कराई मरम्मती

विकास के नाम पर सिर्फ वोट की राजनीति हुई : दीपक

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : भवनाथपुर विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याशी व भोजपुर गढ़ प्रमुख दीपक प्रताप देव ने शुक्रवार को रमना प्रखंड अंतर्गत सिरियाटोंगर में कीचड़ युक्त दलदल व उबड़-खाबड़ सड़क की अपने निजी खर्च से मरम्मत कराकर ग्रामीणों को राहत देने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में अपने अभियान के तहत पहली सड़क का शिलान्यास भी किया। यहां बताते चलें कि झामुमो से इस्तीफा देने के बाद दीपक प्रताप देव ने घोषणा की थी कि वे विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में एक सड़क बनवाने एवं एक चापानल लगवाने का काम करेंगे। इसी कड़ी में सिरियाटोंगर से उन्होंने अपने अभियान की शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान दीपक प्रताप देव ने विधायक अनंत प्रताप देव एवं पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने क्षेत्र की जनता को धोखा देने के सिवाय कुछ नहीं किया है। दोनों नेता अगर क्षेत्र का विकास किये होते तो लोगों को कीचड़युक्त दलदल सड़क पर आवागमन नहीं करना पड़ता। ये ग्रामीण सड़के बता रही हैं कि दोनों नेताओं ने क्षेत्र के विकास के नाम पर सिर्फ वोट की राजनीति की है। श्री देव ने कहा कि वे वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव में जनता से यह वादा नहीं करेंगे कि वे पावर प्लांट या सीमेंट प्लांट लगा देंगे। उनका जोर क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें मौका दिया तो बच्चों की बेहतर शिक्षा, आम लोगों के लिये सड़क, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। श्री देव ने आरोप लगाया कि विधायक अनंत प्रताप देव एवं पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही ने हर चुनाव में उनका साथ लेकर जीत हासिल की, लेकिन इसके बावजूद जनता की उम्मीदों पर वे लोग खरा नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि अब भवनाथपुर विधानसभा की राजनीति में बदलाव की शुरूआत हो चुकी है और आने वाले समय में इसका असर जमीन पर दिखाई देगा। श्री देव ने विधायक व पूर्व विधायक पर तंज कसते हुये कहा कि आगामी चुनाव में दूनो के साट के पटकब। वहीं ताहिर अंसारी को लेकर उन्होंने कहा कि एक को छोड़ देंगे। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि मैं बाउंसर नहीं हूं की तीन-तीन लोगों को पटक दूंगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर दावा किया कि आने वाले दिनों में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के गांवों में विकास कार्यों को लेकर नई तस्वीर देखने को मिलेगी। जो काम सरकार में रहकर विधायक नहीं कर सकते, वह काम मैं करके दिखाऊंगा। इसके पूर्व श्री देव के गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी के साथ शानदार स्वागत किया तथा फूल मालाओं से लाद दिया एवं जमकर नारेबाजी की। तत्पश्चात उन्होंने सड़क मरम्मती कार्य का शिलान्यास ग्रामीणों की मौजूदगी में नारियल फोड़कर किया। उस मौके पर कधवन पंचायत के मुखिया फिरदौस अंसारी, असगर अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, नेजाम अंसारी, अजमेर अंसारी, अहमद अंसारी, हनीफ, चंगेज समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

क्विज में अभ्यांस और पंकज ने हासिल किये शत-प्रतिशत अंक

मेराल : 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), रेहला की ओर से स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित ऑनलाईन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय ब्लॉक कॉलोनी मेराल के दो विद्यार्थियों अभ्यांस कुमार और पंकज कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये ग्रुप-ए में शत-प्रतिशत अंक हासिल कर जिला स्तर पर सफलता प्राप्त की। दोनों विद्यार्थियों की उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गंगेश पाण्डेय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुये कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिये गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रतियोगी गतिविधियों में भाग लेने के लिये लगातार प्रेरित किया जाता है। इसी का परिणाम है कि विद्यालय के विद्यार्थी लगातार विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल कर रहे हैं। प्रधानाध्यापक ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विद्यालय के करीब 29 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश परीक्षा, मॉडल विद्यालय प्रवेश परीक्षा, एफएलएन चैंपियनशिप सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के शिक्षक उदय कुमार, पुष्पा कुमारी, ममता कुमारी, प्रगास राम, रीना देवी तथा आईसीटी प्रशिक्षक आराधना कुमारी ने अभ्यांस कुमार और पंकज कुमार को शुभकामनाएं देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 सितंबर को 48 शिक्षकों को करेंगी सम्मानित

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में देश के 48 उत्कृष्ट स्कूल शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस अवसर पर प्रत्येक पुरस्कार विजेता शिक्षक के उत्कृष्ट कार्य और उपलब्धियों पर आधारित लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार हर वर्ष शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य देश के ऐसे उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता, मेहनत और नवाचार के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के जीवन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए पात्र शिक्षकों से 15 जून से 20 जुलाई 2026 तक शिक्षा मंत्रालय के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्व-नामांकन आमंत्रित किए गए थे। पुरस्कार के लिए चयन प्रक्रिया तीन चरणों में की गई। जिसमें जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों का चयन एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पूरी की गई। इस वर्ष चयनित 48 शिक्षकों में 26 पुरुष और 22 महिला शिक्षक शामिल हैं। ये शिक्षक 27 राज्यों, 7 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के 6 संगठनों से चुने गए हैं। चयन प्रक्रिया में शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान, नवाचार, विद्यार्थियों के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों को विशेष महत्व दिया गया। पांच सितंबर आयोजित शिक्षक दिवस का यह समारोह देश के शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के प्रयासों को सामने लाने का अवसर भी होगा। पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक अन्य शिक्षकों और शिक्षा जगत के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय गोदरमाना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों को शिक्षा के साथ कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

गढ़वा : झालसा रांची के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा के मार्गदर्शन में पीएलवी राजेश कुमार चौधरी ने उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय गोदरमाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को शिक्षा के महत्व के साथ-साथ उनके कानूनी अधिकारों और मुफ्त विधिक सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 488 बच्चों और नौ शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मौके पर पीएलवी राजेश कुमार चौधरी ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिये अभिभावक और शिक्षक के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। शैक्षणिक

सत्र के दौरान दोनों एक-दूसरे से बच्चों से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा कर सकते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई, व्यवहार और विकास से जुड़ी समस्याओं का समय पर समाधान संभव होगा। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों की समस्याओं पर खुलकर संवाद करने की अपील की। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता, सलाह एवं न्याय दिलाने के लिये राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर विभिन्न योजनाएं और जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, आपदा पीड़ित और निर्धारित आय सीमा से कम आय वाले पात्र नागरिक मुफ्त विधिक सहायता का लाभ ले सकते हैं। किसी प्रकार की कानूनी सहायता या जानकारी के लिये 15100 टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। पीएलवी ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी तरह की समस्या होने पर उचित माध्यम से सहायता लेने की अपील की।

प्रभात टुडे नेटवर्क के लिए राधेरमण चौबे द्वारा गुलाब मेमोरियल मार्केट श्री बंशीधर नगर गढ़वा झारखंड से प्रकाशित, प्रधान संपादक–धीरेन्द्र चौबे, संपादक–धर्मेन्द्र कुमार चौबे* फोन : 9471737671, web-www.banshidharnews.com-Email-prabhatodaynetwork@gmail.com, *समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार (सभी वादों का निपटारा नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय के अधीन होगा)